26 / 11 / 79 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

प्रीति की रीति का अनुभव करना

➢➢ एक की लगन मे मगन सच्ची प्रीत की रीत निभाने वाली आत्मा हूं

➳ _ ➳ साकार मे बापदादा से मिलन को आतुर

→ डायमंड हाल मे फरिश्तो की महफिल में बैठी

→ एक ही संकल्प एक ही लगन

→ मेरे प्राण प्यारे बापदादा आ जाओ

→ बच्चों की स्नेह की डोर से बंधे

→ प्यारे बाबा भी बच्चो के प्यार का रिर्टन देने

- साकार वतनवासी
- साकारी रुपधारी सम्मुख है

➳ _ ➳ कितना प्यारा मिलन है

→ बेपनाह स्नेह लुटा रहे है बाबा

- वाह मेरा भाग्य वाह
- ऊंच ते ऊंच आलमाइटी ॲथारिटी
- आप समान बना रहे है

➳ _ ➳ बापदादा के स्नेह मे समाती

→ बस यही संकल्प

→ बाबा तुमसा बनना ही है

→ सम्पूर्ण स्नेह का रिटर्न देना ही है

➳ _ ➳ क्या मैं आत्मा सम्पूर्ण स्नेह का रिटर्न दे रही हूं ?

→ सर्वशक्तिमान के सर्व शक्तियों रुपी किरणों के झरने में

→ मैं आत्मा बाप के गुणों समान

→ सर्व गुणों में मा. बन रही हूं

→ लक्ष्य को स्मृति मे रखते

→ उड़ती कला का अनुभव कर रही हू

➳ _ ➳ लक्ष्य और डायरेक्शन एक है

→ डायरेक्शन है एक सेकेंड मे उडने का

→ लक्ष्य है बाप समान बनने का

→ मैं आत्मा हूं शरीर नही

→ इसी पाठ को पक्का कर रही हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा मा. ज्ञान स्वरुप हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा मा. सर्वशक्तिमान हूं

→ ज्ञान को स्वरुप मे लाती जा रही हूं

→ मैं आत्मा स्वतंत्र हूं

→ अभी अभी मूलवतन

→ अभी अभी सूक्ष्म वतन

- तीनों लोको की मालिक हूं
- त्रिलोकीनाथ हूं

➢➢ अपनी चेकिंग करती हूं

➳ _ ➳ क्या अब तक देह सहित त्याग किया है ?

→ तन मन धन सब तेरा है न की मेरा

- **मेरा को तेरा मे परिवर्तित कर रही हूं**

➳ _ ➳ **मैं आत्मा ट्रस्टी हूं**

→ **यह देह बाबा से मिली अमानत है**

- **अलौकिक दिव्य ब्राह्मण जीवन है**

→ चलाने वाला चला रहा है

→ मैं आत्मा चल रही हूं

- **फालो फादर**
- **फालो मदर**

→ पुराने स्वभाव संस्कार के बंधन से मुक्त

→ सर्व बंधनों से मुक्त

→ कर्मयोगी बन रही हूं

➳ _ ➳ **मैं आत्मा मरजीवा हूं**

→ **यह शरीर तो सिर्फ विश्व सेवार्थ है**

→ **पुराने शरीर मे बाप शक्ति भर चला रहे है**

→ मैं मेरापन से मुक्त होती जा रही हूं

→ कोई लगाव झुकाव नही

→ मेरे को तेरे मे परिवर्तित कर

→ मायाजीत बन गयी हूं

➳ _ ➳ **मैं आत्मा प्रकृतिजीत हूं**

➳ _ ➳ **मैं आत्मा कर्मयोगी हूं**

➳ _ ➳ **मैं आत्मा अशरीरी हूं**

→ **कर्म करते सेवा मे बिजी होते**

→ **बीच बीच मे अशरीरी होने के**

→ **अभ्यास को बढाती जा रही हूं**

→ **योग युक्त युक्ति युक्त**

→ सेवा करते उपराम रहती हूं

→ ये सेवा मेरी नही बाबा की है

→ कराने वाला करा रहा है

→ करनहार हम किए जा रहे

→ संकल्पों के ट्रैफिक को कंट्रोल करते

→ **पास विद ऑनर आने का पुरुषार्थ कर रही हूं**